अभ्रक का निर्यात

861. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश के किन-किन देशों को अभ्रक का निर्यात किया गया;

(ख) क्या सरकार ने एम० आई० टी० सी०ओ० (मिटको) का खनिज तथा धातु व्यापार निगम (एम०एम०टी०सी०) के साथ विलय करने का कोई निर्णय ले लिया है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत से जिन प्रमुख देशों को अभ्रक और अभ्रक उत्पादों का निर्यात किया गया है, वे हैं:–आस्ट्रिया, बहरीन द्वीप, बेल्जियम, चीनी ताइपेन, चीन जनवादी गणराज्य, कोलम्बिया, मिस्र अरब गणराज्य, फिलैंड, फ्रांस, जर्मन जनवादी गणराज्य, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, लीबिया, लाइबेरिया, नीदरलैंड, नार्वे, पोलैंड, रोमानिया, सऊदी अरब, सिंगापुर, स्पेन, थाईलैंड, यू.ए.ई., ब्रिटेन, और संयुक्त राज्य अमरीका आदि।

(ख) तथा (ग) सरकार ने एम० एम० टी०सी०लि० में मिटको के विलय का सिद्धात रूप में अनुमोदन कर दिया है।

गेहूं का निर्यात

862. **श्री ईश दत्त यादव :** **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1992–93 में गेहूं का उत्पादन कम होने के कारण केवल 37278 टन गेहूं का ही निर्यात किया जा सका। जोकि 1990–91 और 1991–92 के दौरान किये गये निर्यात से कम था ;

(ख) यदि नहीं, तो उसके अन्य कारण क्या हैं;

(ग) सरकार द्वारा गेहूं का निर्यात लक्ष्य निर्धारित न किये जाने के क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार ने गेहूं का मूल्य इसके अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य की तुलना में कम निर्धारित किया है, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) जी, नहीं। वर्ष 1992–93 में हुआ 37278 मी० टन गेहूं का निर्यात वर्ष 1990–91 तथा 1991–92 में हुये निर्यात से कम था। हालांकि वर्ष 1992–93 में गेहूं का कुल उत्पादन पिछले प्रत्येक दो वर्षों के उत्पादन से अधिक था।

(ख) विश्व उत्पादन में बढ़ोतरी, उच्च, अधिशेष, विश्व स्टाक, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मांग एवं मूल्य स्तर में कमी तथा घरेलू मल्यों में वृद्धि जैसे कारकों ने वर्ष 1992–93 में गेहूं के निर्यात को प्रभावित किया।

(ग) गेहूं जैसी वस्तुओं का निर्यात लक्ष्य तय नहीं है क्योंकि ये वस्तुयें जन उपयोग की वस्तुयें हैं। तथापि, निर्यात की, सीमा घरेलू आवश्यकताओं एवं उपलब्ध बेची स्टाक के आधार पर तय की जाती है।

(घ) इस समय गेहूं के लिये कोई न्यूनतम निर्यात मूल्य नहीं है।

US Investment in India Following US Commerce Secretary's visit

863. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI G. Y. KRISHNAN:
SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what are the important areas coversed during his talks wih US Commerce Secretary recently;